पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.10.2016 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन
एवम्
251 कुण्डीय विराट् यज्ञ
दिनांक 27, 28, 29 जनवरी 2017
उत्सव ग्राउण्ड, कड़कड़डूमा, पूर्वी दिल्ली
अपने पधारने की सूचना शीघ्र देंवे
सम्पर्क: महेन्द्र भाई–011.22328595
यशोवीर आर्य–9312223472
रामकुमार सिंह–9868064422

वर्ष-33 अंक-10 आश्विन-2073 दयानन्दाब्द 192 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2016 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.10.2016, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर उरी के शहीद सैनिकों को आर्य समाज ने शान्ति यज्ञ द्वारा दी श्रद्धाजंलि

पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दिया जाये-अनिल आर्य, उपप्रधान सार्वदेशिक सभा

भारतीय सेना को यथोचित कार्यवाही के लिये समस्त आर्य जगत की ओर से बधाई

शनिवार, 24 सितम्बर 2016, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में उरी में शहीद 18 सैनिकों के लिए ''जन्तर मन्तर'' पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य के नेतृत्व में ''शान्ति यज्ञ'' का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई व सोये हुए सैनिकों पर कायरता पूर्ण हमले की कड़ी निन्दा की गई। इस अवसर पर सैंकड़ों आर्य समाजियों ने पहुॅच कर देश की एकता व अखण्डता की रक्षा का संकल्प लिया और पाकिस्तान के विरूद्धकठोर से कठोर कार्यवाही की केन्द्र सरकार से मांग की। आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि जब यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत में आंतकवादी गतिविधियों में व कश्मीर में अलगाववाद के पीछे पाकिस्तान प्रायोजित आंतकवाद का हाथ है, अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह अब पाकिस्तान को उसकी भाषा में ही जवाब दिया जाये । समय की मांग है कि सरकार आंतकवादियों व उनके मददगारों को सख्ती से कुचले, देश की रक्षा की कीमत पर कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आंतकवाद की जननी पाकिस्तान जब तक दुनियां के नक्शे में रहेगा, तब तक विश्व में शान्ति स्थापित नहीं हो सकती। युवा पीढ़ी को आह्वान किया कि आंतकवादियों का मुंह तोड़ उतर देने के लिए आगे आये। डा.आर्य ने केन्द्र सरकार से मांग कि शहीद सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाये और पाक अधिकृत कश्मीर खाली करवाया जाये।

परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि शहीदों का बलिदान तभी सार्थक होगा जब हम पुनः वैसी परिस्थितियां न बनने दें। सरकार को पाकिस्तान पर कदापि भरोसा नहीं करना चाहिये। हमारी सहनशीलता को कमजोरी समझ लिया जाता है,अतः पाकिस्तान को मुंह तोड़ उतर दिया जाये।

प्रदेश संचालक रामकुमारसिंह आर्य ने कहा कि शहीदों के परिवारों को पूर्ण सम्मान दिया जाना चाहिए व उनके परिवारों की देखभाल के लिये एक समिति कार्य करे जिससे वह कभी अपने को अकेला या उपेक्षित न समझें। परिषद् के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि शहीदों की अमानत है भारत की आजादी युवा शक्ति को उसे सम्भाल कर रखना है,उन्होंने शिक्षा नीति में परिवर्तन पर बल दिया जिससे ''राष्ट्रवादी सोच'' के युवा तैयार हो सकें।

आर्य नेता वेदप्रकाश आर्य, ओमप्रकाश पाण्डेय, विम्मी अरोड़ा, महावीरसिंह आर्य, अरूण आर्य, अनिल हाण्डा, कुलभूषण आर्य, जितेन्द्रसिंह आर्य, ओमवीरसिंह, चन्द्रमोहन कपूर, स्वामी ओम जी, देवदत आर्य आदि ने भी अपने विचार रखे। प्रधानमन्त्री व रक्षामन्त्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया व धारा 370 अविलम्ब समाप्त करने की मांग की गई।

ठाकुर विक्रम सिंह ट्रस्ट ने ''आर्यन महिला रत्न'' पुरस्कार प्रदान किये

रविवार, 18 सितम्बर 2016, ठाकुर विकम सिंह ट्रस्ट द्वारा आर्य समाज, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में आर्य जगत की विदुषियों, कर्मठ प्रचारकों व कार्यकताओं को ''आर्यन महिला रत्न' सम्मान व यथोचित धनराशी से अभिनन्दन किया गया। चित्र में–ठाकुर विकम सिंह जी का अभिनन्दन करते समारोह अध्यक्ष डा.अमिता चौहान(चेयरपरसन,ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूलस),डा.अनिल आर्य,डा.वरूणवीर। द्वितीय चित्र–आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश की अध्यक्षा उर्मिला आर्या का अभिनन्दन करते श्रीमती मृदुला व आनन्द चौहान,साथ में डा.अनिल आर्य। संचालन श्री अजय सहगल व पं.मेघश्याम वेदालंकार ने किया। डा.वीरपाल विद्यालंकार,स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती,स्वामी श्रद्धानन्द जी,बृजपाल कर्मठ,रामनाथ सहगल,स्वामी सम्पूर्णानन्द जी,साध्वी उतमा यति आदि ने भी पधार कर अपनी शुभकामनायें प्रदान की।

कश्मीर का यह संकट ही समाधान दे सकता है बशर्ते

—अवधेश कुमार

समस्याएं, संकट या चुनौतियां हमें परेशान जरुर करती हैं, लेकिन कई बार उन्हीं से ऐसे समाधान भी निकल जाते हैं जिनकी हम कल्पना नहीं करते। हां, यह तभी संभव है जब हम संकट को समाधान की दृष्टि से देखें और लाख विरोधों, आलोचनाओं के बावजूद उस पथ पर डटे हुए आगे बढ़ते रहें। कश्मीर के वर्तमान संकट को लेकर केन्द्र एवं राज्य सरकार की परेशानियां समझ में आतीं हैं। लेकिन इसके साथ कुछ ऐसी बातें भी हो रहीं हैं जो इसके पहले कभी नहीं हुईं और उनसे ही आशा की किरण झलक रहीं हैं। इसमें तो दो राय नहीं कि 8 जुलाई को आतंकवादी बुरहान वानी और उसके दो साथियों के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद जो हिंसा एवं उपद्रव आरंभ हुआ वह अवांछित था। 2010 मे ंचार लोगों के गलत तरीके से मारे जाने का मामला था और उसको आधार बनाकर ंहिंसा कराने वालों को अपने पक्ष में कुछ तर्क भी मिल सकता था। इस बार आतंकवादी के मारे जाने का मामला है। चाहे अलगाववादी जो तर्क दें, पूरे देश में और दुनिया के स्तर पर भी लोगों को यही लग रहा है कि ये सब आतंकवादियों के समर्थक हैं। इसलिए उनके प्रति पाकिस्तान के घड़ियाली आंसू के अलावा किसी की सहानुभूति नहीं हो सकती। यहां तक कि हुर्रियत से बातचीत का सुझाव देने वाले भी सार्वजनिक तौर पर नहीं कह सकते कि आतंकवादी का मारा जाना गलत था और इसलिए आपका गुस्सा जायज है।

हुर्रियत या अलगाववादी समस्या के मूल में हैं। कश्मीर में आतंकवाद और हिंसा के पिछले ढाई दशकों के इतिहास में अलगाववादी इस बार जितने नंगे हुए हैं उतना पहले कभी नहीं हुए। मीडिया की कृपा से उनकी पूरी कलई खुली है। उन पर आम जनता के कर का भारी रकम खर्च लंबे समय से किया जा रहा है, पर देश के सामने उसका एक—एक पक्ष इस तरह कभी आया नहीं था। जिस ढंग से इस विषय को रखा गया उससे देश का माहौल यह बना है कि अरे, ये हमारे पैसे पर ऐश करते हैं और हमारे देश को ही गाली देते हैं! बंद करो इनको धन देना, रोक दो इनकी सुविधाएं....। यह माहौल भारत में इसके पहले कभी नहीं बना था। ये भी अच्छा हुआ कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य सुर्खरु बनने के चक्कर में इनके दरवाजे खटखटाने पहुंच गए और इनने उनसे बातचीत नहीं की। बहुमत जनता ने उन छः सांसदों के इस व्यवहार को ठीक नहीं माना, लेकिन हुर्रियत के नेताओं के इस व्यवहार ने उनके खिलाफ आक्रोश को और घनीभूत किया है। कभी यह कल्पना नहीं की जा सकती थी कि पीडीपी और मेहबूबा मुफ्ती खुलकर हुर्रियत की आलोचना करेंगी। आप देख लीजिए, मेहबूबा कह रहीं हैं मेहमान को दरवाजे से वापस करके इनने उनका नहीं अपना अपमान किया है। मेहबूबा ने तो यहां तक कह दिया कि ये गरीब के बच्चों के हाथों में पत्थर पकड़ाते हैं और वे मरते हैं। अगर पत्थरबाजी में इनके बच्चे मरे या घायल हुए हों तो मैं राजनीति छोड़ दूगी। मेहबूबा का यह रुख असाधारण है। उनका और उनकी पार्टी की सोच अलगाववादियों के प्रति नरमी और सहानुभूति का रहा है।

हुर्रियत के इसी व्यवहार ने नरेन्द्र मोदी सरकार के इस निर्णय को बल प्रदान किया कि उनसे बात नहीं करनी है। गृहमंत्री राजनाथ सिंह को जम्मू में यह कहने का अवसर मिल गया कि ये कश्मीरियत, जम्हूरियत और इन्सानियत तीनों में विश्वास नहीं करते। राजधानी दिल्ली में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद सरकार ने साफ किया कि जो बात करने के इच्छुक हैं उनसे बात की जाएगी लेकिन देश के संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हालांकि मेहबूबा मुफ्ती ने भी पीडीपी के अध्यक्ष के रुप में हुर्रियत नेताओं को पत्र लिखकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से बात करने को आमंत्रित कर दिया था, लेकिन उनको भी पता था कि वे नहीं आने वाले। जाहिर है, अब उनके खिलाफ कोई कार्रवाई होगी तो मेहबूबा भी उनके साथ खड़ी नहीं हो सकतीं। पहली बार इतनी गहराई से एनआईए हुर्रियत नेताओं सहित कइयों के लेनदेन की जांच कर रही है जिनमें सैयद अली शाह गिलानी का बेटा भी है। हवाला से धन आने का भी खुलासा हो जाए तो इनका पक्ष और कमजोर होगा।

अन्य दलों और समूहों ने जो बातें रखीं उनकी सूची देखें तो उसमें पुरानी बातें ही हैं अफस्फां हटे, पैलेट गनों का प्रयोग बंद हो, राजनीतिक समाधान हो, ज्यादा स्वायत्तता मिले.... आदि आदि। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के पूर्व राजनाथ सिंह दो बार श्रीनगर जाकर राजनीतिक दलों और नागरिक समूहों से मिल चुके थे। जम्मू कश्मीर का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री से भी आकर अपनी बात रख चुका था। तो सरकार के सामने यह साफ था कि वहां के दल क्या चाहते हैं और समस्या क्या है? आज का सच यह है कि किसी दल या समूह ने वर्तमान संकट या कश्मीर समस्या के समाधान का कोई ठोस सूत्र नहीं दिया। यानी सब अंधेरे में तीर चला रहे हैं। वर्तमान हिंसा दक्षिण कश्मीर के मूलतः चार जिलों तक सीमित है। उसे विस्तारित करने की कोशिशें हो रहीं हैं और उनके भय से गांवों में भी लोग इनकी सभाओं में आ रहे हैं। किंतु यह स्थिति किसी समय बदल सकती है।

लंबे समय बाद पाकिस्तान ने कश्मीर पर पुरानी उग्रता दिखाकर भारत भर में गुस्सा पैदा किया है और यह धारणा पुष्ट हुई है कि जो कुछ हो रहा है उसके पीछे पाकिस्तान है। 2010 और 2008 की हिंसा के समय पाकिस्तान का ऐसा रुख नहीं था। पाकिस्तान ने अपने व्यवहार से कश्मीर पर दिखावे के लिए भी बातचीत की संभावना पर तत्काल विराम दे दिया है। इसे अच्छा ही मानना चाहिए। कश्मीर का संकट इसलिए अनसुलझा रहता था कि हम कभी पाकिस्तान से बातचीत की भावुकता में फंसते थे तो कभी हुर्रियत का मत समझने की कोशिशों में। माकपा के सीताराम येचुरी और उनके जैसे कुछ नेता भले हुर्रियत और पाकिस्तान से बातचीत की वकालत करे, इस राय का भारत में आज खरीदार नहीं है। वैसे भी जो नेता देशद्रोही नारा लगाने वालों के खिलाफ खड़े हो सकते हैं, उनको हीरो बना सकते हैं उनसे हम कश्मीर मामले पर माकूल कठोर कदम के समर्थन की उम्मीद नहीं कर सकते। आज सरकार के पास उनको जवाब देने का आधार है कि ये हुर्रियत जब आपसे बात को तैयार नहीं हुए, पाकिस्तान जब कश्मीर में आग लगाने पर तुला है तो उसका सामना करें कि बात करें। सरकार ने आजादी के बाद पहली बार गिलगित बलतिस्तान सहित पाक अधिकृत कश्मीर पर खुलकर हक जताया है। पाकिस्तान से पूछकर कि आप इसे कब खाली कर रहे हैं कश्मीर समस्या के स्वरुप को बदलने की रणनीति अपनाई है। बलूचिस्तान के बारे में प्रधानमंत्री के एक वक्तव्य नें बलूच राष्ट्रवाद की ज्वाला को फिर से प्रज्वलित कर दिया है। भारत जहां तक आगे बढ़ गया है उसमें पीछे हटने की संभावना फिलहाल नहीं है। इसमें केन्द्र सरकार को अपने नजरिए से पहल करने या कदम उठाने में बहुत ज्यादा समस्या नहीं है। वैसे भी 2014 के आम चुनाव में कश्मीर भी एक प्रमुख मुद्दा था और नरेन्द्र मोदी को जनादेश इसके अपने दृष्टिकोण से समाधान के लिए मिला था। लोकतंत्र में आप सर्वदलीय बातचीत करें, प्रतिनिधिमंडल ले जाएं, सबसे विचार करें, यहां तक कोई समस्या नहीं है, लेकिन अपेक्षा यही होगी कि आप अपना दृष्टिकोण साफ रखें और बिना किसी हिचक के कदम उठाएं। यह संकट वाकई समाधान का आधार बन सकता है। वर्तमान संकट या पूरी कश्मीर समस्या सैन्य—राजनीतिक समस्या है और इसका समाधान इसी रास्ते हो सकता है। सरकार हिंसा रोकने के लिए कठोर कदम उठाए, हुर्रियत की सारी सुविधाएं वापस ले,` धन के स्रोतों की जांच कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे और साथ में कश्मीर के आम आदमी के विकास और रोजगार के लिए जो आर्थिक राजनीतिक निर्णय करने हो वह भी करे। दूसरी ओर बलूचिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर पर तीव्र कूटनीति से पाकिस्तान को उलझने को मजबूर करे। किंतु इन सबके लिए दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। परिस्थितियां आपके पक्ष में हैं, कुछ विरोधी खड़े हो सकते हैं, मानवाधिकार के नाम पर छातियां पीट सकते हैं, कुछेक नेता संसद में हंगामा करने की कोशिश कर सकते हैं...इनसे अप्रभावित हुए सरकार को काम करना होगा। फिर देखिए जो कुछ वर्षों में नहीं हुआ वह चमत्कार हमें देखने को मिल सकता है।

—ई.: 30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्लीः 110092,
दूर:01122483408, 09811027208

॥ ओ३म् ॥ स्थापित 3 जून 1978

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) नई दिल्ली
KENDRIYA ARYA YUVAK PARISHAD (Regd.) NEW DELHI
युवा उद्घोष (पाक्षिक) पंजीकृत पत्रिका
आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-7 (भारत), फोन: 9810117464, 9868002130, 2765-3604
E-mail: aryayouth@gmail.com. Website : aryayuvakparishad.com. aryayouthgroup@yahoogroups.com

प्रधान मंत्री कार्यालय Prime Minister's Office डाक अनुभाग DAK SECTION Date 24/09/16

दिनांकः 24 सितम्बर 2016

सेवा में,
आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी,
प्रधानमन्त्री,भारत सरकार,
नई दिल्ली.

विषयः पाकिस्तान के विरूद्व कठोर कार्यवाही हेतु अनुरोध ।

महोदय,
सादर नमस्ते ।
निवेदन यह है कि उरी में सोये हुए भारतीय सैनिकों पर हमला शर्मनाक घटना है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता । इस हमले में भारत के 18 वीर सैनिक बलिदान हुए, यह अत्यन्त दुःखद है । आज केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली की ओर से नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर "शान्ति यज्ञ" कर शहीद सैनिकों को श्रद्धाजंलि अर्पित की गई, अतः हमारा आपसे आग्रह है कि :—

1.पाकिस्तान भरोसे के योग्य कभी नहीं रहा, गत् लड़ाईयों के अतीत को याद रखते हुए आंतकवाद की जननी पाकिस्तान पर भरोसा कदापि नहीं करना चाहिये एवम् आंतकवाद का मुंह तोड़ जवाब देने के लिये भारतीय सेना को खुली छूट दी जाये । पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर अविलम्ब खाली करवाया जाये व कश्मीर से धारा 370 समाप्त की जाये ।

2. शहीद परिवारों को पूर्ण सम्मान दिया जाये एवम् उनके परिवारों की देखभाल के लिये एक समिति बनायी जाये जिससे शहीद परिवार कभी उपेक्षित या अकेला महसूस न करें ।

4. पाकिस्तान के विरूद्व कठोर से कठोर कार्यवाही कर उसको उसी की भाषा में जवाब दिया जाये ।

धन्यवाद व आभार सहित ।
भवदीय

डा.अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9810117464

महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामन्त्री
9013137070

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है

सहयोग : भारत विकास परिषद् पीतमपुरा शाखा

133वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संगीत संध्या

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

सोमवार, 31 अक्तुबर 2016, सायं 4.00 से 8.00 बजे तक

स्थान : दिल्ली हाट पीतमपुरा, दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन नेताजी सुभाष पैलेस)

11 कुण्डीय यज्ञः सायं 4 से 5 तक, ब्रह्मा: आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज

मुख्य यजमानः सर्व श्री राजेश जुनेजा, मनोज गुप्ता, सुरेश आर्य, धर्मदेव खुराना, यशपाल चावला, तिलक चांदना नरेन्द्र कालड़ा, राजीव आर्य, एस.के. आहुजा, ओमप्रकाश गुप्ता, धर्मपाल परमार, विनोद कालरा, ओमप्रकाश नागिया

गायक कलाकार :- डॉ. सुकृति व अविरल माथुर ★ अंकित उपाध्याय

मुख्य अतिथिः श्री प्रवेश साहिब सिंह (संसद सदस्य)

अध्यक्षता : श्री प्रदीप तायल (पाईटैक्स ज्वैलर्स, नेताजी सुभाष पैलेस, पीतमपुरा)

विशिष्ट अतिथिः श्री विजेन्द्र गुप्ता (नेता प्रतिपक्ष दिल्ली), श्री पवन शर्मा (पूर्व विधायक), श्रीमती रेखा गुप्ता (पार्षद)

गरिमामय उपस्थितिः सर्वश्री आनन्द चौहान, दर्शन अग्निहोत्री, ठाकुर विक्रम सिंह, मायाप्रकाश त्यागी, प्रभात शेखर नवीन रहेजा, राजीव परम, राकेश खुल्लर, सुरेन्द्र कोहली, रमेश अग्रवाल (अग्रवाल पैकर्स मूवर्स), रविन्द्र बंसल (पूर्व विधायक) ममता नागपाल (पार्षद), शोभा विजेन्द्र (पार्षद), राजकुमार पौद्दार (पार्षद), चन्दीराम चावला (पार्षद), भूपेन्द्र मोहन भण्डारी (पार्षद) राजकुमार जैन, संजीव मिगलानी, सुभाष गुप्ता, भारतभूषण दीवान, रश्मि गोयला, रमेश राठी, सतीश गुप्ता, एस.के. वधवा, महेशचन्द्र शर्मा (पूर्व महापौर), दीपक सेठिया, सुरेश पौद्दार, घनश्याम गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, नरेन्द्र सिंघल, जोगीराम जैन सुरेन्द्र मोहन लाम्बा, सुनील गुप्ता, रविन्द्र आर्य, प्रवीन तायल, डॉ. ओमप्रकाश मान, सुभाष आर्य, ओमप्रकाश जैन, गायत्री मीना

आर्य महिला गौरव अवार्ड से सम्मानित होंगे

श्रीमती वेदप्रभा बरेजा	श्रीमती प्रतिभा नागिया	श्रीमती पुष्पलता वर्मा
श्रीमती सन्तोष मल्होत्रा	श्रीमती अमृत सचदेवा	श्रीमती ऋचा नागर
श्रीमती मनोरमा घई	श्रीमती चन्द्रकान्ता अरोड़ा	श्रीमती सरोज पुरंग
डॉ. सुषमा आर्या	श्रीमती प्रभा आर्या	श्रीमती कान्ता पाल
श्रीमती राज सेतिया	श्रीमती दयावन्ती चुघ	श्रीमती ऋणी सरीन

आमन्त्रित आर्य नेताः सर्वश्री ओम सपरा (मैट्रो पोलटेन मजिस्ट्रेट), नरेन्द्र आर्य सुमन, गवेन्द्र शास्त्री, सुरेन्द्र गुप्ता, रवि चड्डा, रविदेव गुप्ता टी.आर. मित्तल, संजीव सेठी, राजेन्द्र लाम्बा, रमेश कुमारी भारद्वाज, एस.के. सचदेवा, विजय भास्कर, चत्तरसिंह नागर, सुभाष चांदना जितेन्द्र डावर, अमरनाथ बत्रा, जवाहर भाटिया, अमरनाथ गोगिया, ओमप्रकाश मनचन्दा, रणसिंह राणा, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करना विजयारानी शर्मा, अन्जू जावा, अमीरचन्द रखेजा, डॉ. धर्मवीर आर्य, सोहनलाल मुखी, शीला ग्रोवर, रामकुमार भगत, महेन्द्र टांक कृष्णा सपरा, वेद प्रकाश, व्रतपाल भगत, नीता खन्ना, शोभा सेतिया, सुषमा अरोड़ा, प्रि. अन्जू मेहरोत्रा, बलराज सेजवाल, सुशीला सेठी सीमा कपूर, विकास गोगिया, ओमप्रकाश पाण्डेय, राजेश मेहन्दीरत्ता, सुदेश डोगरा, लक्ष्मी सिन्हा, प्रेमकुमार सचदेवा, प्रकाशचन्द आर्य

ऋषि लंगर

आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

निवेदक

डॉ. अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री	यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	डॉ. अमित नागपाल, संजीव शर्मा स्वागत अध्यक्ष	दिनेश गर्ग (गुड्डू) स्वागत अध्यक्ष
रामकुमार सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कृष्णचन्द पाहुजा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	देवेन्द्र भगत प्रेस सचिव	प्रवीन आर्य, सुशील आर्य राष्ट्रीय मन्त्री	वेदप्रकाश आर्य स्वागत मन्त्री
दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री	धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राकेश भटनागर राष्ट्रीय मन्त्री	सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, प्रदीप, वरूण, शिवम प्रबंधक गण	

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. **9810117464, 9312406810, 9868664800**

E-mail: aryayouth@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com

Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

स्वामी श्रद्धानन्द जी का व पार्षद राजेश भाटिया का अभिनन्दन

परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर स्वामी श्रद्धानन्द जी (पलवल) का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,आचार्य प्रेमपाल शास्त्री,ठाकुर विकम सिंह जी।
द्वितीय चित्र–पार्षद राजेश भाटिया का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,स्वामी आर्यवेश जी व प्रवीन आर्य।

आर्य समाज, रोहिणी की रजत जयन्ती व संन्यास आश्रम गाजियाबाद का उत्सव सम्पन्न

दिल्ली की प्रमुख आर्य समाज,सैक्टर–7, रोहिणी का रजत जयन्ती समारोह महाशय धर्मपाल जी की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य का अभिनन्दन करते समाज के मंत्री सजीव गर्ग, अमिता सपरा, राजीव आर्य, उर्मिला आर्या, ऋतु। द्वितीय चित्र–रविवार, 25 सितम्बर 2016, गाजियाबाद के संन्यास आश्रम के उत्सव में स्वामी चन्द्रवेश जी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, स्वामी आर्यवेश जी, श्री मायाप्रकाश त्यागी, प्रवीन आर्य व स्वामी सौम्यानन्द जी। जितेन्द्र आर्य, सौरभ गुप्ता ने व्यवस्था सम्भाली।

शहीद मोहनचन्द शर्मा को श्रद्धाजंलि व आर्य समाज राजौरी गार्डन का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 18 सितम्बर 2016, हिन्दू वाहिनी व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में शहीद पुलिस इन्सपेक्टर श्री मोहनचन्द शर्मा की स्मृति में जहांगीर पुरी,दिल्ली के थाने पर यज्ञ कर श्रद्धाजंलि अर्पित की। आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया व थाना अध्यक्ष श्री नरेशचन्द यज्ञमान बने। चित्र में–डा. अनिल आर्य, संयोजक अरविन्द मिश्रा, महेन्द्र भाई, सुरेश आर्य, बलजीत आदित्य आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 11 सितम्बर 2016, आर्य समाज, राजौरी गार्डन, दिल्ली के उत्सव समापन पर स्वामी आर्यवेश जी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, मन्त्री श्री ओमप्रकाश अरोड़ा, सतीश गुप्ता, अनिल कुंवर, जगदीश रावल व आचार्य सन्दीप।

आर्य नेता ओमप्रकाश अग्रवाल व बलराज नागपाल का अभिनन्दन

परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर आर्य समाज,नांगलोई,दिल्ली के प्रधान श्री ओमप्रकाश अग्रवाल का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,रामकुमार सिंह, विश्वनाथ आर्य व मंत्री श्री भोपालसिंह आर्य। द्वितीय चित्र–समाजसेवी श्री बलराज नागपाल का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,महेन्द्र भाई व गवेन्द्र शास्त्री।

आर्य नेता सुरेन्द्र शास्त्री व सन्दीप आर्य का सपत्निक अभिनन्दन

परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर आर्य समाज,लाजपत नगर,नई दिल्ली के मन्त्री श्रीमती पुष्पारानी व सुरेन्द्र शास्त्री का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,महेन्द्र भाई,ओम सपरा। द्वितीय चित्र–कर्मठ युवा श्रीमती प्रेरणा व सन्दीप आर्य का (सुपुत्र माता मीना आर्या) का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,प्रवीन आर्या व महेन्द्र भाई।

शोक : डा. ओमप्रकाश मान का निधन

1. कर्मठ व निर्भीक आर्य नेता डा. ओमप्रकाश मान (प्रधान, आर्य समाज, शालीमार बाग पश्चिमी, दिल्ली) का 28 सितम्बर 2016 को निधन हो गया। उनके निधन से आर्य समाज की गहरी क्षति हुई है। अन्तेष्टी संस्कार ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली में सम्पन्न हुआ। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, डा. अनिल आर्य, पूर्व सांसद श्री सज्जन कुमार, मधुर आर्य, अरूण आर्य, ब्र.दीक्षेन्द्र आदि सैकड़ों आर्य जन सम्मलित हुए। उनके पुत्र अमित मान ने मुखाग्नि दी व आचार्य सुधांशु जी (गुरूकुल खेड़ाखुर्द) ने संस्कार करवाया। श्रद्धाजंलि सभा रविवार, 9 अक्तुबर 2016 को दोपहर 2 से 4 तक आर्य समाज, क्लब रोड़, शालीमार बाग, दिल्ली में होगी।
2. श्री धर्मवीर वर्मा (पिता श्री सुदर्शन वर्मा, रानी बाग, दिल्ली) का निधन।
3. श्रीमती सुनीता नारंग (मुखर्जी नगर,दिल्ली) का निधन। युवा उद्घोष की विनम् श्रद्धाजंलि।

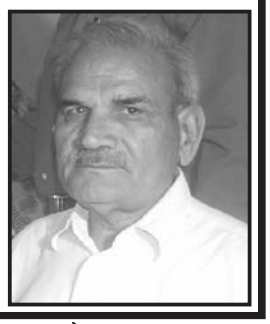

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970